Demand for Declaring Hockey the National Game of Country

श्री दिलीप कुमार तिर्की (ओडिशा) : उपसभापति जी, हम बचपन से ही सुनते आए हैं कि हॉकी हमारा राष्ट्रीय खेल है। भारत 8 बार ओलंपिक में गोल्ड मेडल और 3 बार ब्रॉज मेडल जीता है और हॉकी से ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में हमें पहचान मिली है। भारतीय हॉकी टीम ने लगातार 6 बार ओलंपिक गोल्ड मेडल बिना एक मैच गंवाए जीता है, जो ओलंपिक के इतिहास में एक रेकॉर्ड है। इसके अलावा हॉकी एक मात्र ऐसा खेल है, जिसमें ओलंपिक में भारत की भागीदारी 2008 ओलंपिक को छोड़कर हमेशा रही है, लेकिन एक प्रेस रिपोर्ट से मुझे ताज्जुब हुआ कि लखनऊ की एक छात्रा की एक आरटीआई के जवाब में खेल मंत्रालय ने कहा है कि उसने अभी तक हॉकी या किसी अन्य खेल को राष्ट्रीय खेल घोषित नहीं किया है।

उपसभापति महोदय, यह बात बहुत अफसोसजनक है कि हॉकी का खेल, जो हमारी पहचान का हिस्सा रहा है और जिसमें हमारा शानदार इतिहास है, उसके प्रति सरकार ऐसी उपेक्षा का भाव रखती है। ओलंपिक में भारत का हॉकी में 3 बार प्रतिनिधित्व और नेतृत्व करने वाले मेरे जैसे हॉकी खिलाड़ी के लिए तो यह बात और भी ज्यादा दुखद है। इसलिए मैं सरकार से यह मांग करता हूँ कि हॉकी को अविलंब राष्ट्रीय खेल घोषित किया जाए और इसकी प्रतिष्ठा तत्काल बहाल की जाए। धन्यवाद।

SHRI A. ELAVARASAN (Tamil Nadu) : Sir, I associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI RABINARAYAN MOHAPATRA (Odisha) : Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. member.

Demand to remove anomaly while fixing eligibility criteria for IIT entrance examination

SHRI C.M. RAMESH (Andhra Pradesh) : Sir, it is a dream of every student to become IITian, but it is life-and-death question for students of Andhra Pradesh and they will put in every effort to 'get into IIT. But, recent notification of HRD Ministry placed students from Andhra Pradesh at disadvantageous position.

From 2013, instead of AIEEE and IIT exam, single exam called JEE-Mains and JEE-Advance will be conducted to select students for admission into IIT. As per existing system, Government fixed 60% as eligibility criteria. Now, it is linked to percentile of marks obtained by students in +2 examination. After JEE-Advance exam, Convener will take into account marks obtained by student in -2 examination. It means, even if student gets IIT seat but has not come within the top 20 percentile marks in Board, he will not get seat.

CBSC analyzed data of +2 marks of different Boards for 2011. As per data, cut-off for A.P. students to be in top 20 percentile is 87.2%, West Bengal 58%, CBSE